pleased to state whether the book entitled "Sahkari Samaj" is now available for sale and if not, by when it will be available and what is the price which has been fixed for the book?]

सामुदायिक विकास पंचायती राज और सहकार मंत्रालय में उपमंत्री (श्री एस० डी० मिश्र): जी नहीं। संभावना है कि यह पुस्तक अगस्त १९६२ में बिक्री के लिये मुक्त हो जायेगी। पुस्तक का मूल्य अभी तक निश्चित नहीं हुआ है। सूचना तथा प्रसारण मंत्रालय का प्रकाशन विभाग पुस्तक की कीमत लगा रहा है।

t[THE DEPUTY MINISTER *m* THE MINISTRY OF COMMUNITY DEVELOPMENT, PANCHAYATI RAJ AND CO-OPERATION (SHRI S. D. MISRA): No, Sir. The book is likely to be released for sale during August, 1962. The price of the book has not yet been fixed. The price is being worked out by the Publications Division, Ministry of Information and Broadcasting.]

श्री राम सहाय: कोआपरेशन के संबंध में बहुत सा साहित्य होते हुये भी इस पुस्तक में क्या विशेषता है कि जिससे आप इसका प्रकाशन खास तौर पर कर रहे हैं?

श्री एस० डी० मिश्र: वैसे तो सहकारिता के संबंध में काफी पुस्तकें हैं जिनसे कि देश भर का और विदेशों का ज्ञान प्राप्त होता है। लेकिन साधारण तौर से भारतीय सहकारिता किस तरह से प्रगति करे और उसका अपना वैयक्तिक रूप कैसा हो उसके लिये कोई पुस्तक नहीं है। इसलिये यह पुस्तक लिखी गई है।

श्री राम सहाय: मैं यह जानना चाहता था कि इसमें विशेषता क्या है जो दूसरी ऐसी पुस्तकों में, जो कि विदेशों में और हमारे भारतवर्ष में प्रकाशित हुई हैं, उनमें नहीं है?

श्री सभापति: वह तो उन्होंने बता दिया।

श्री एस० डी० मिश्र: उसमें विशेषता यह है कि अपने हालात के अनुसार जिस रूप में प्रगति करना चाहते हैं उस पर विशेष ध्यान दिया गया है, जैसे कि कोआपरेटिव्हस में कोआपरेटिव्ह मारकेटिंग एंड प्रोसेसिंग है, इन्डस्ट्रियल कोआपरेटिव्ह हैं, लेबर कन्स्ट्रक्शन कोआपरेटिव्हस हैं। इन विषयों पर हमें किताबें तो मिल जाती हैं लेकिन अलग अलग मिलती हैं। यह जो किताब है इसमें एक जगह उन सब विषयों को इकट्ठा करके रखा गया है।

अलीगढ़ में मेडिकल कालेज

*२१८. **श्री नवाबसिंह चौहान**: क्या स्वास्थ्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगी कि:

(क) अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय में जो मेडिकल कालेज खोलने का विचार है उसपर होने वाले व्यय में अलीगढ़ विश्वविद्यालय, केन्द्रीय सरकार और राज्य सरकार का कितना कितना भाग होगा;

(ख) इस कालेज के (१) कर्मचारियों की भर्ती और (२) विद्यार्थियों के दाखिले किस प्रकार होंगे और इस कालेज से संलग्न किये जाने वाले अस्पताल की व्यवस्था के ब्यौरे क्या क्या हैं; और

(ग) विद्यार्थियों के दाखिले के संबंध में इस विश्वविद्यालय के और बाहर के विद्यार्थियों के लिये कितना कितना कोटा निश्चित किया गया है?

t [MEDICAL COLLEGE AT ALIGARH

•218. SHRI NAWAB SINGH CHAUHAN: Will the Minister of HEALTH be pleased to state:

(a) the amount of expenditure to be incurred by the Aligarh University, the Central Government and the State Government respectively on the Medical College proposed to be opened in the Aligarh Muslim University?

(b) the method of (i) recruitment of staff and (ii) admission of students to this college and the details of the arrangements of a hospital to be attached to the college; and

(c) the respective quota fixed for admission of students belonging to the university and outsiders?]

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF HEALTH (DR. D. S. RAJU): (a) The exact amount of expenditure to be incurred by the Aligarh Muslim University, the Government of India and the Government of Uttar Pradesh has not yet been determined.

(b) and (c). A statement is placed on the Table of the Sabha.

STATEMENT

According to the agreement arrived at between the Government of U.P. and the Aligarh Muslim University, the recruitment of teachers and the selection of students to the college will be made on the following basis: —

The admission of students to the medical college will be made through a competitive examination. There will be the following reservation of seats for the alumni of the University at the Medical College: —

(i) 50 per cent of the seats will be reserved for the alumni of the Aligarh University for the first 10 years and the position will be reviewed by the State Government thereafter. The remaining seats will be filled from among outsiders.

(ii) The selection of the teaching staff of the Medical College will be made in accordance with the relevant statutes *ot* the University provided that one of the persona on the Selection Committee, not connected with the University, shall be a nominee of the State Government.

(iii) The staff of the Medical College Hospital including the Superintendent, the Deputy Superintendent and the Accounts Officer will be appointed by tlie State Government on the pattern of the Medical College/hospitals at Kanpur and Agra and the duties of the staff would be suitably specified. The house staff will be appointed by the Hospital Board of Management and the ancillary staff by the Superintendents of the Hospital.

As regards the establishment of a teaching hospital, the University has assets of the face value of about Rs. 64,00,000 in the medical college fund consisting mainly of Government securities. The present cash value of this, fund is estimated at about Rs. 60,00,000 and with this amount it is expected that the University will be able to construct a teaching hospital with 300 beds attached to the college. The State Government have also agreed to give a maintenance grant to the hospital on the same basis on which grants are given to other teaching hospitals in U.P. Land has yet to be acquired for the College and the Hospital and plans and estimates for the College, Hospital and associated buildings are under preparation by the architects.

†[**स्वास्थ्य मंत्रालय में उपमंत्री (डा० डी० एस० राजू)** : (क) अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, भारत सरकार और उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा किये जाने वाले व्यय की ठीक-ठीक राशि अभी निश्चित नहीं की गई है ।

†[ ] Hindi translation.

(ख) और (ग) एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है ।

विवरण

उत्तर प्रदेश सरकार और अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के बीच हुये समझौते के अनुसार कालेज में अध्यापकों की भर्ती तथा छात्रों का चुनाव इस आधार पर किया जायेगा :—

(१) मेडिकल कालेज में छात्रों का प्रवेश एक प्रतियोगी परीक्षा द्वारा किया जायेगा । मेडिकल कालेज में इस विश्वविद्यालय के छात्रों के लिये निम्न प्रकार से स्थान सुरक्षित होंगे :—

(क) प्रथम दस वर्षों में अलीगढ़ विश्वविद्यालय के छात्रों के लिये ५० प्रतिशत स्थान सुरक्षित होंगे और तत्पश्चात् राज्य सरकार इस स्थिति का पुनरीक्षण करेगी । शेष स्थानों की पूर्ति बाहरी उम्मीदवारों से की जायेगी

(ख) मेडिकल कालेज के अध्यापकों का चुनाव विश्वविद्यालय के संबंधित परिनियमों के अनुसार किया जायेगा, बशर्ते चुनाव समिति में एक सदस्य राज्य सरकार द्वारा मनोनीत होगा और उसका विश्वविद्यालय से कोई संबंध नहीं होगा ।

(ग) मेडिकल कालेज अस्पताल के कर्मचारियों की नियुक्ति जिसमें अधीक्षक, उपाधीक्षक तथा लेखा अफसर सम्मिलित हैं, राज्य सरकार कानपुर और आगरा के मेडिकल कालेज-अस्पतालों में अपनाई गई प्रणाली के अनुसार करेगी और कर्मचारियों के काम उचित रूप से निर्दिष्ट कर दिये जायेंगे । हाऊस स्टाफ की नियुक्ति अस्पताल का व्यवस्थापक मंडल तथा सहायक कर्मचारियों की नियुक्ति अस्पताल का अधीक्षक करेगा ।

जहां तक शिक्षण अस्पताल की स्थापना का प्रश्न है, इस विश्वविद्यालय के पास मेडिकल कालेज फंड में, जिसमें मुख्यतया सरकारी प्रतिभूतियां हैं, लगभग ६४,००,००० रुपये के अंकित मूल्य की सम्पत्ति है । इस फंड का वर्तमान रोकड़ मूल्य अनुमानतः ६०,००,००० रुपये हैं और आशा है कि इस राशि से विश्वविद्यालय कालेज से सम्बद्ध ३०० शय्याओं का एक शिक्षण अस्पताल बना सकेगा । राज्य सरकार ने भी इस अस्पताल को उसी आधार पर जिस पर उत्तर प्रदेश के अन्य शिक्षण अस्पतालों को अनुदान दिये जाते हैं, व्यवस्था अनुदान देना स्वीकार कर लिया है । कालेज तथा अस्पताल के लिये अभी भूमि अवाप्त की जानी है और कालेज, अस्पताल तथा सम्बद्ध भवनों के नक्शे और प्राक्कलन वास्तुकारों द्वारा तैयार किये जा रहे हैं ।

श्री नवाबसिंह चौहान : इस स्टेटमेंट के अखीर में यह बताया गया कि :

Land has yet to be acquired for the College and the Hospital and plans and estimates for the College, Hospital and associated buildings are under preparation by the architects.

अभी यह कायम भी नहीं हुआ और क्या माननीय मंत्री जी को यह मालूम है कि वह

स्टाफ का भी सेलेक्शन हो गया है ? तो क्या ऐसी हालत में जब कि अस्पताल का कुछ इंतजाम नहीं हुआ है, यह मेडिकल कालेज चल सकेगा ?

DR. D. S. RAJU: It is up to the State Government to recruit the staff, and the Centre does not come into the picture now.

श्री नवाबसिंह चौहान : स्टाफ स्टेट गवर्मेन्ट रिक्रूट नहीं करेगी, वह तो यूनिवर्सिटी रिक्रूट करेगी।

DR. D. S. RAJU: The University does not recruit the staff for the hospital. It recruits the staff for the college.

श्री नवाबसिंह चौहान : क्या कारण है कि अभी एक्सपेंडीचर का कोटा तक मुकर्रर नहीं हुआ है कि कितना स्टेट गवर्मेन्ट, कितना यूनीवर्सिटी, कितना सेंट्रल गवर्मेन्ट देगी ?

DR. D. S. RAJU: They are being worked out.

SHRI FARIDUL HAQ ANSARI: The hon. Minister has just said that recruitment is being done by the State Government. May I know whether the Government of India has tried to find out from the State Government why this recruitment is being done when neither the college nor the hospital is ready or is likely to be ready within a short time?

DR. D. S. RAJU: I think it is being considered. Now the recruitment of the staff lies between the three bodies: the University, the State Government and the College authorities.

SHRI A. B. VAJPAYEE: According to the statement, 50 per cent, of the seats will be filled from among outsiders. May I know if any seats have been reserved for students from outside Uttar Pradesh?

DR. D. S. RAJU: I could not say from which other States, but this much we know that 50 per cent, of the seats have been reserved for the alumni of the Aligarh Muslim University and the rest of 50 per cent, from other places.

SHRI A. B. VAJPAYEE: What is meant by other places? It is not clear from the statement.

MR. CHAIRMAN: Other than the University alumni.

SHRI A. B. VAJPAYEE: Will they be from other States as well?

MR. CHAIRMAN: Yes. I should think so.

हरनाई बन्दरगाह के प्रकाश-गृह में प्रकाश

***२१९. श्री नवाबसिंह चौहान** : क्या **परिहवन तथा संचार** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या उन्होंने दिनांक १४ मई, १९६२ के 'टाइम्स आफ इंडिया' में संपादक के नाम छपे उस पत्र को देखा है जिसमें बम्बई से लगभग १०० मील दूर हरनाई बन्दरगाह के प्रकाश-गृह में प्रकाश की समुचित व्यवस्था न होने की शिकायत की गई है ;

(ख) यदि उपरोक्त भाग (क) का उत्तर 'हां' हो तो इस संबंध में वास्तविक स्थिति क्या है, गैस के कितने सिलंडर वहां रखे जाने चाहियें और इनकी व्यवस्था न होने का क्या कारण है ; और

(ग) जो हरीकेन लालटैन इस [illegible] यहां प्रयोग में आ रही है उसका प्रकाश कितनी दूर तक जाता है और क्या यह साधारणतया साइक्लोनों के दौरान जहाजों के पथ प्रदर्शन के लिये पर्याप्त है ?